

राष्ट्रीय सेवा योजना
राठ महाविद्यालय पैठाणी पौडी गढवाल
(संबद्धता-हे0नं0ब0 गढवाल (केंद्रीय) विश्वविद्यालय श्रीनगर गढवाल)

‘ राष्ट्रीय युवा दिवस ’
(दिनांक 12 जनवरी 2020)

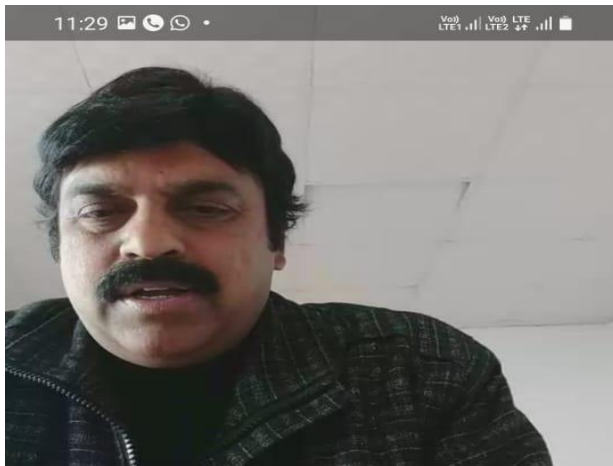
Table of Contents

S.N	Name pf Programe	Name Of Activities	Date	Session	Page No.
4.	National Youth Day	Seminar on “drug eradication”	12 January 2020	2019-20	4

National Youth Day (12 January 2020 Vivekanand Jayanti) On the occasion of this, a public awareness rally was organized the students volunteers in the main market Paithani , in which many inspirational slogans and messages releted to drug eradication were broadcasted on placards.

After the completion of Ralli, all the volunteer students in the National service scheme office and there was a special discussion on making the youth Day more meaning ful. In the discussion on the title of stong youth, strong Nation, many students expressed their desire to make the yong the more strong and more capable. Many suggestions were presented for.

Dr. Virendra chand Dr. Pravesh kumar Mishra presented many suggestions and ideas to the youth to become thoughtful and patient. Many professors and students of the college were present in the program.



11:29

VoLTE LTE

18:04

kot 27 nov 2022 lok n...

3

पौड़ी गढ़वाल 3

समता मूलक समाज की कल्पना के नायक थे बाबा साहेब : बंसल

र शांति
सिंह
 डॉ०। संविधान के एक पंजीयित
 तंत्र की जन्मी
 का अंगीजन
 द्वायिका विचार
 तन्त्रि डी० अर
 न के यन्त्र में
 कि संविधान में
 प्रथम की हिरा
 द्वायिका देते हुए
 'सुखा के लिए
 अरु काल पर
 अरु कल्पनी की
 प्दुत्तने कल्पे।
 -बंसलर डी०
 की श्रुतिव और
 १ हुए कल कि
 के लोगो को
 जलीकत द्वाय
 अधिष्ठात कर
 दी है। एत ही
 इ कल्प के लिए
 संविधान में एत
 ईकत शब्द के
 है। इत अरुत
 नुनिसिटी के
 ने संविधान के
 शी पर अपने
 शांति पर की
 भावना डी
 -शरुत की
 लिए शरुत भी
 जलन अकता

Dev Krishna (You)

manjeet bhandari

Dr. Jitendra Kumar Negi

Digambar Rana

Others in the meeting (61)

akhilesh singh

18:04

kot 27 nov 2022 lok n...

3

पौड़ी गढ़वाल 3

समता मूलक समाज की कल्पना के नायक थे बाबा साहेब : बंसल

र शांति
सिंह
 डॉ०। संविधान के एक पंजीयित
 तंत्र की जन्मी
 का अंगीजन
 द्वायिका विचार
 तन्त्रि डी० अर
 न के यन्त्र में
 कि संविधान में
 प्रथम की हिरा
 द्वायिका देते हुए
 'सुखा के लिए
 अरु काल पर
 अरु कल्पनी की
 प्दुत्तने कल्पे।
 -बंसलर डी०
 की श्रुतिव और
 १ हुए कल कि
 के लोगो को
 जलीकत द्वाय
 अधिष्ठात कर
 दी है। एत ही
 इ कल्प के लिए
 संविधान में एत
 ईकत शब्द के
 है। इत अरुत
 नुनिसिटी के
 ने संविधान के
 शी पर अपने
 शांति पर की
 भावना डी
 -शरुत की
 लिए शरुत भी
 जलन अकता

लोक संहिता प्रतिनिधि
 पैठणी। राष्ठीय सेवा योजना
 इकाई राठ महाविद्यालय पैठणी के
 द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर
 एक कार्यक्रम का आयोजन किया
 गया। इस अवसर पर स्वयंसेवी छात्र-
 छात्राओं ने संविधान के सभी पन्नों पर
 विस्तार से चर्चा की।
 शनिवार को आयोजित कार्यक्रम
 में मुख्य यक्ता के रूप में पीएचडो
 विष्णु के डी० उमेश चंद बंसल ने
 कहा कि संविधान निर्माता बाबा
 साहेब डॉ० भीमराव अंबेडकर ने
 संविधान को समता मूलक बनाने की
 पूरी कोशिश की, लेकिन अभी भी
 कपटरी लोगों में ये भ्रम है कि उन्होंने
 एक बर्ग विशेष को लेकर ही काम
 किया, जबकि सच्चाई ठीक इसके
 उलट है। बाबा साहेब ने महिलाओं
 और दलित-कुचलित, शोषितों और
 पिछड़ों के हितों भी समानता की
 वकालत की। संविधान को पूरी तरह
 मानवतावादी बनाने में उनके योगदान
 को कभी भुलना नहीं जा सकता।
 डॉ० राम सिंह नेगी ने कहा कि हमारा
 संविधान हमारा गौरव है। यह हमारे
 भावनाओं का प्रतिबिम्ब है। संविधान
 का अर्थसः पहलन करना व उसका
 सम्मान करना हमारा पर्य कर्तव्य है
 और संविधान निर्माताओं को इससे
 बड़ी ब्रदांजलि और कुछ ही नहीं
 सकती। यही महाविद्यालय के प्राचार्य
 ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए
 कहा कि समेतात्मक अपने-अपने
 राठ का गौरव है। आज आजादी के
 75 सालों के बाद भी संविधान अपने
 सारे राठ को एकता के सूत्र में बांधे
 हुए है। देश ने 1950 के बाद अनेक
 उल्लाखतें देखीं है, पर राठ एकता और
 प्रतिबद्धता के सूत्र में चंचा रहा। यह
 उन संविधान निर्माताओं को ही देन

राष्ठीय सेवा योजना
 इकाई राठ महाविद्यालय पैठणी के
 द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर
 एक कार्यक्रम का आयोजन किया
 गया। इस अवसर पर स्वयंसेवी छात्र-
 छात्राओं ने संविधान के सभी पन्नों पर
 विस्तार से चर्चा की।

भावनानों का प्रतिबिम्ब है। संविधान
 का अर्थसः पहलन करना व उसका
 सम्मान करना हमारा पर्य कर्तव्य है
 और संविधान निर्माताओं को इससे
 बड़ी ब्रदांजलि और कुछ ही नहीं
 सकती। यही महाविद्यालय के प्राचार्य
 ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए
 कहा कि समेतात्मक अपने-अपने
 राठ का गौरव है। आज आजादी के
 75 सालों के बाद भी संविधान अपने
 सारे राठ को एकता के सूत्र में बांधे
 हुए है। देश ने 1950 के बाद अनेक
 उल्लाखतें देखीं है, पर राठ एकता और
 प्रतिबद्धता के सूत्र में चंचा रहा। यह
 उन संविधान निर्माताओं को ही देन

है, इसीलिए उनको मनन है। कार्यक्रम
 का संघालन कर रहे राठराजेंडो
 इकाई के कार्यक्रम अधिकाारी डॉ०
 देवकुण्ठ धर्पालस्यल ने कहा कि
 उगत और प्रगातिशील संविधान को ही
 यदीकत हम आज तक विकसित
 देशों की बराबरी करने जा रहे हैं।
 सारा ही स्वयंसेवी उगत अंजलि ने
 कहा कि समेतात्मक का संविधान तुरंत
 देशों से विभक्तकृत फल और बहुत
 मजबूत है। इस मीके पर डॉ० वीरेंद्र
 चन्द, डॉ० राजेंद्र दुवे, डॉ० राम सिंह
 नेगी, क्रांति ब्रह्म नौटियाल, श्रीमती
 प्रमिला गौटियाल तथा विजय सिंह
 नेगी आदि मौजूद रहे।

आकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

में प्रदीप पंचार के पुत्र अश्वित के
 जन्मदिवस पर पर के आंगन में
 मापने का समलौण पौधा रोपण
 जन्मदिवस को यादगार बनाने के
 साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का
 संदेश दिया।
 इस मीके पर गांव की समलौण
 सेनागायिका श्रीमती आशा देवी,
 श्रीमती सुनीता देवी व श्रीमती श्रीप
 देवी, श्रीमती कानिन देवी, गांव की
 समलौण सेना की सदस्य श्रीमती
 मीनजा देवी, सुनीता देवी, मीना
 देवी, राधा देवी, देवेश्वरी देवी,
 कमला देवी, अश्वित की मां श्रीमती
 गीरी देवी, श्रीमती राजेश्वरी देवी,
 सुलोचना देवी, विजय सिंह पंचार
 तथा समस्त ग्रामवासियों ने
 भाग लिया।

पुत्र नरोत्तम पंत ने, ग्राम कोठला में
 देवी प्रसाद नौटियाल के पुत्र अश्वित
 नौटियाल के जन्मदिवस पर पर के आंगन में
 जन्मदिवस पर पर के आंगन में

मौसमी के समलौण पौधे का रोपण
 किया।
 वही जनपद टिहरी गढ़वाल के
 विकासखंड चिलनागा के ग्राम बुढ़वा

समलौण पौधा रोपण कार्यक्रम संस्कार को यादगार

लोक संहिता प्रतिनिधि धलीसैण। राठ क्षेत्र के विकासखंड
 धलीसैण के पट्टी दाईंजुली के ग्राम लदावी में शिव सिंह पंडारी
 के पुत्र अश्वित नौटियाल के जन्मदिवस पर पर के आंगन में